अध्याय तृतीय

अनुसंधान क्रियाविधि

अध्याय तृतीय

अनुसंधान क्रियाविधि

3.1 परिचय

अध्याय की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि को अध्याय एक में महत्व, उद्देश्यों के साथ प्रस्तुत किया गया हैं। शोध निष्कर्षों और अध्याय के औचित्य के साथ संबंधित साहित्य की समीक्षा पिछले अध्याय में लिखी गई है। प्रस्तुत अध्याय वर्तमान अध्याय में दी गई पद्धति के विवरण के लिए समर्पित है। इस अध्याय में चर्चा चर, जनसंख्या, नमूना, डेटा एकत्र करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण, उपकरण के लिए चरणों के बारे में विस्तार से होगी।

3.2 अनुसंधान क्रियाविधि

शोध पद्धति मूल रूप से एक विशिष्ट तरीके से अनुसंधान का पर्यवेक्षण कर रही है ताकि समस्या को प्रभावी ढंग से और कुशलता से हल किया जा सके। यह एक प्रारूप है जिसके माध्यम से शोधकर्ता को पता होता है कि शोध समस्या को कैसे आगे बढ़ाया जाए और परिणाम पर कैसे पहुंचा जाए। इसमें संपूर्ण प्रक्रिया शामिल है जो योजना, निष्पादन, व्याख्याओं को चित्रित करने और परिणामों को प्रख्यापित करने की प्रारंभिक प्रक्रिया से अनुसंधान भाग में शामिल है।

3.3 अनुसंधान डिजाइन

अनुसंधान डिजाइन निम्नलिखित स्थितियों के उद्देश्य के लिए किया जाता है:

- डेटा का इस तरह से संग्रह और विश्लेषण करना जिसका उद्देश्य इसे उचित तरीके से मर्ज करना है।
- यह निर्णय लेने की प्रक्रिया है क्योंकि किसी भी अध्याय को लेने से पहले शोधकर्ता द्वारा कार्य योजना तैयार की जाती है।
- यह एक सुव्यवस्थित तरीके से डेटा एकत्र करने और विश्लेषण करने के लिए शर्तों की व्यवस्था है।

- यह एक वैचारिक ढांचा है जिसके भीतर अनुसंधान किया जाता है और यह एक सार्थक और संरचित तरीके से डेटा के संग्रह, माप और विश्लेषण का खाका तैयार करता है।
- यह शोधकर्ता को बहुत समय, संसाधन और श्रम बचाने में सक्षम बनाता है।

3.4 अध्याय में चर

चर मूल रूप से अनुसंधान भाग में परिधि हैं। यह मूल रूप से वह इकाई है जो कोई भी मूल्य ले सकती है और भिन्न हो सकती है। आश्रित चर वह कारक है जिसे स्वतंत्र चर के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए मापा जाता है। जिस पर शोध किया जा रहा है। आश्रित चर वह है जिसके बारे में शोधकर्ता भविष्यवाणी करता है। यह शिक्षक-शिक्षक की राय को आश्रित चर और जागरूकता स्तर, शिक्षक-शिक्षक अनुशासन और लिंग के रूप में लेता है। एक स्वतंत्र चर के रूप में लिया जाता है।

3.5 अध्याय की जनसंख्या

किसी भी शोध को पूरा तथा उसे सत्य सबीत करने के लिए, शोधकर्ता यह व्यक्तियों का एक समूह है जो सामान्य विशेषताओं को साझा करता है जो अन्य समूहों से अलग होता है। उन से उनकी राय ले कर आपने शोध को पूरा करता है। जैसे की इस शोध को सत्य साबीत करने के लिए, माध्यमिक स्तर के सामाजिक विज्ञान शिक्षक के राय लिए गए है; जो की विभिन्न स्कूल के है।

3.6 अध्याय का नमूना

डेटा संग्रह अनिवार्य रूप से अनुसंधान प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है ताकि उन परिकल्पनाओं की पहचान की जा सके, जिन्हें आगे रखा जा सकता है, अस्वीकार किया जा सकता है या अस्वीकृत किया जा सकता है और निष्कर्ष निकाला जा सकता है। डेटा संग्रह प्रक्रिया के लिए, शोधकर्ता को जनसंख्या से एक नमूना लेने की आवश्यकता होती है। पूरी आबादी के केवल एक हिस्से की जांच करके उसके बारे में जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया को नमूनाकरण कहा जाता है। इस अध्याय में उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण तकनीकों को अपनाया गया है। नमूने में विभिन्न माध्यमिक स्तर के सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के 60 शिक्षक शामिल हैं। जिन लोगों से नमूना लिया जाता है, उनका चयन उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण द्वारा किया जाता है।

3.7 उपकरणों का इस्तेमाल

शोध में, डेटा एकत्र करने के साधनों को शोध उपकरण कहा जाता है। अनुसंधान का लाभ और महत्व पूरी तरह से नमूना आबादी से जानकारी निकालने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों की प्रासंगिकता पर निर्भर करता है। उपकरण प्रासंगिक, विश्वसनीय और वैध होना चाहिए।

जैसा कि अध्याय माध्यमिक स्तर के सामाजिक शिक्षक की आत्म-प्रभावकारिता से संबंधित है। वर्तमान शोध के लिए उपकरण।

- शिवशंकर नाईक (2022) द्वारा विकसित प्रश्नावली। इस प्रश्नावली में 24 बहु प्रश्न हैं।

3.7.1 प्रश्नावली

प्रश्नावली एक शोध उपकरण है जिसमें सर्वेक्षण या सांख्यिकीय अध्याय के माध्यम से उत्तरदाताओं से जानकारी एकत्र करने के उद्देश्य से प्रश्नों की एक श्रृंखला होती है। अन्वेषक ने माध्यमिक स्तर के सामाजिक शिक्षक की प्रतिक्रियाओं को एकत्र करने के लिए एक उपकरण के रूप में 'प्रश्नावली' का चयन किया।

3.7.2 प्रश्नावली का विकास निम्नलिखित चरणों से हुआ:

क) प्रश्नों का चयन।

ख) प्रश्नों का निरूपण।

ग) परीक्षण प्रश्नावली।

डी) आइटम विश्लेषण

ई) प्रश्नावली का अंतिम मसौदा।